Tender Heart High School, Sector-33-B, Chandigarh

कक्षा - दसवीं
विषय - हिन्दी साहित्य शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : 'साहित्य सागर'

पाठ - 8 'भीड़ में खोया आदमी' (कहानी)
लेखक - लीलाधर शर्मा - 'पर्वतीय'

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा दसवीं की हिन्दी साहित्य की पाठ्य-पुस्तक 'साहित्य सागर' की पृष्ठ संख्या - 51 पर दिए पाठ - 8 'भीड़ में खोया आदमी' को पढ़ेंगे व समझेंगे।

'भीड़ में खोया आदमी' लेखक लीलाधर शर्मा पर्वतीय द्वारा रचित है। यह वास्तव में जन-चेतना को लक्षित करके लिखा निबंध है। प्रस्तुत निबंध में लेखक ने 'जनसंख्या वृद्धि' और 'पर्यावरण प्रदूषण' को ध्यान में रखा है। इस पाठ में देश की बढ़ती जनसंख्या और घटते संसाधनों पर चिंता व्यक्त की गई है। लेखक ने कटु सत्य की ओर संकेत किया है कि यदि घरों, दफ्तरों, स्टेशनों, सड़कों, राशनों की दुकानों पर भीड़ बढ़ती जाएगी तो देश अवनति और कुपोषण का शिकार हो जाएगा। अधिक जनसंख्या के लिए अधिक अन्न, अधिक आवास, एवं अधिक रोज़गार की आवश्यकता है। इन सीमित साधनों के

अनुसार ही हमें परिवार नियोजित करना चाहिए। प्रस्तुत निबंध में लेखक ने बाबू श्यामलाकांत तथा उनके परिवार के जीवन के कथन - प्रसंग द्वारा इस समस्या की ओर संकेत किया है।

बच्चो! अब इस पाठ के पात्र - परिचय इस प्रकार हैं :-

- बाबू श्यामलाकांत - बाबू श्यामलाकांत इस पाठ के मुख्य पात्र हैं। वे लेखक के करीबी मित्र हैं। बाबू श्यामलाकांत स्वभाव से सीधे - सादे, परिश्रमी और ईमानदार थे, लेकिन बड़े लापरवाह थे। उन्होंने अपने घर में बच्चों की फौज खड़ी कर रखी थी। उनका परिवार हरिद्वार के एक छोटे - से मकान में रहता था और बढ़ती जनसंख्या से होने वाली समस्याओं से जूझ रहा था। वे अपने परिवार को सुख-सुविधाएँ प्रदान करना चाहते थे परन्तु बड़े परिवार की वजह से ऐसा करने में असमर्थ थे। वे लेखक के सच्चे मित्र थे, आर्थिक समस्याओं से घिरे होने पर भी अपनी पुत्री के विवाह में उसे बुलाना न भूले। वे समाज के ऐसे शिक्षित वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं जो अपनी ही गलतियों की सज़ा भुगत रहा है, उसे इसका अहसास भी है। बाबू श्यामलाकांत भारत के आम नागरिक हैं।
- लेखक - लेखक बाबू श्यामलाकांत के परम मित्र हैं। वे मित्रता निभाना खूब जानते हैं। वे कष्ट सहकर भी अपने मित्र की पुत्री के विवाह में शामिल होने हरिद्वार आते हैं। लेखक ने हमारा ध्यान बढ़ती हुई जनसंख्या एवं उससे उठने वाली समस्याओं की ओर आकर्षित किया है। जिससे

देश अवनति की ओर जा रहा है। लेखक भारत के जागरूक नागरिकों का प्रतिनिधित्व कर रहा है। वह ऐसे नागरिक समस्याओं से परिचित हैं और जनचेतना जगाने का प्रयास कर रहे हैं।

अन्य पात्र

- बाबू श्यामलाकांत जी की पत्नी - बाबू श्यामलाकांत जी की पत्नी एक सीधी-सादी भारतीय आदर्श नारी हैं। वे स्वयं अस्वस्थ रहती हैं परन्तु पूरे परिवार का ध्यान तन-मन-धन से रखती हैं। सब कठिनाइयाँ भूलकर वह मेहमानों का स्वागत करना नहीं भूलती। सीमित साधन और बड़े परिवार के बीच तालमेल बिठाते-बिठाते थक गई हैं। उनका शरीर कमज़ोर और चेहरा कांतिहीन हो गया है।
- दीनानाथ - दीनानाथ बाबू श्यामलाकांत जी का बड़ा बेटा है। वह संस्कारी तथा अच्छे विचारों वाला युवक है। वह पढ़ा-लिखा है परन्तु बेरोज़गार है।
- सुमन - सुमन बाबू श्यामलाकांत जी का छोटा बेटा है। वह सामान लाने में अपने बड़े भाई की मदद करता है। सुमन दिनभर घर के कार्यों में ही व्यस्त रहता है।

प्रस्तुत निबंध में बढ़ती जनसंख्या के बारे में बताया गया है। आज हमारा देश इस समस्या से जूझ रहा है। अनपढ़ लोग जिन्हें इसका ज्ञान नहीं है कि परिवार वृद्धि के कारण देश को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पहली समस्या आवश्यकताओं की पूर्ति है। जब परिवार बड़ा होता है तो आवश्यकताओं की पूर्ति करना भी असंभव हो जाता है। दूसरी समस्या कि पढ़े-लिखे

लोगों को रोज़गार नहीं मिल पाता। जनसंख्या वृद्धि के कारण रोज़गार की संभावनाएँ कम हो जाती हैं। अगली समस्या आवास की है। जनसंख्या वृद्धि के कारण आवास की समस्या का भी सामना करना पड़ेगा। इस प्रकार आम आदमी भीड़ में खोया प्रतीत होता है।

लेखक के मन में निबंध लिखते समय दो समस्याएँ थीं। पहली जनसंख्या वृद्धि और दूसरी पर्यावरण प्रदूषण। लेखक आम आदमी को चेतावनी दे रहा है कि मनुष्य को जनसंख्या वृद्धि पर रोक लगाना अति आवश्यक है अर्थात् परिवार को संतुलित रखा जाए ताकि देश के विकास में किसी भी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो। इन समस्याओं के लिए समाधान हमें स्वयं ही ढूँढ़ना होगा ताकि भविष्य में हमें किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। यदि हम भविष्य में अन्य देशों से आगे बढ़ना चाहते हैं तो हमें इन समस्याओं का समाधान निकालना होगा।

इस पाठ के मुख्य पात्र बाबू श्यामलाकांत हैं, जिनका परिवार अनियोजित है। सदस्यों की संख्या अधिक है, जिसके कारण उन्हें समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इसी समस्या को लेखक ने इस निबंध में उठाया है।

लेखक के अभिन्न मित्र बाबू श्यामलाकांत हैं। वे स्वभाव से सीधे-सादे परिश्रमी और ईमानदार हैं परन्तु व्यक्तिगत जीवन के प्रति बड़े लापरवाह हैं। वे (श्यामलाकांत) उम्र में लेखक से छोटे हैं परन्तु उनके घर में बहुत बच्चे हैं। घर में उन्होंने बच्चों

की फौज खड़ी की हुई है।

पिछली गर्मियों में लेखक को श्यामलाकांत की लड़की के विवाह में सम्मिलित होने के लिए हरिद्वार जाना था। लेखक पंद्रह दिन पहले टिकट बुक करने के लिए स्टेशन पर गए तो वहाँ पहले से ही लोगों की लंबी कतार लगी थी। बहुत देर तक लेखक को अपनी बारी की प्रतीक्षा करनी पड़ी लेकिन जब उनकी बारी आई तो पता चला कि किसी भी गाड़ी में सीट उपलब्ध ही नहीं है जिसके द्वारा लेखक हरिद्वार पहुँच सकते। लेखक को अपने मित्र की बेटी के विवाह में जाना आवश्यक था और इस न्यौते को वे अस्वीकार नहीं कर सकते थे इसलिए उन्हें बिना आरक्षण के ही जाना पड़ा। जैसे ही गाड़ी प्लेटफार्म पर आती है, लेखक देखते हैं कि गाड़ी लदालद भरी पड़ी है। उसमें पाँव रखने के लिए भी स्थान नहीं है। प्लेटफार्म पर लोग गाड़ी में चढ़ने के लिए जबरदस्ती एक-दूसरे को धक्का मारकर गाड़ी में चढ़ रहे हैं। भीड़ अधिक होने के कारण लेखक को कम सामान होने पर भी कुली की सहायता लेनी पड़ी। कुली ने लेखक को खिड़की के रास्ते से ही भीतर धकेल दिया। लेखक के लिए स्वयं गाड़ी के भीतर पहुँचना असंभव था। लक्सर (एक स्थान का नाम) से उन्हें गाड़ी बदलनी थी। वे खिड़की से ही बाहर निकले। उतरते ही लेखक प्लेटफार्म पर देखते हैं कि गाड़ी की छत भी यात्रियों से भरी पड़ी है। ऐसी स्थिति में लेखक यह सोचने के लिए मजबूर हो जाता है कि अपनी जान को जोखिम में डालकर लोग छतों पर क्यों चढ़े हैं। इन लोगों को रेल के

नियम, व्यवस्था और अनुशासन का ध्यान क्यों नहीं है? ये लोग यह क्यों नहीं जानते कि रेल को सुचारू रूप से चलाने के लिए हमें प्रयत्न करना चाहिए।

बच्चो! आज हम अपने इस पाठ को यहीं विराम देते हैं। आप सभी इसे (पृष्ठ संख्या 51) पुनः पढ़ेंगे व समझेंगे।

गृहकार्य

निम्नलिखित अवतरण पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

"उम्र में मुझ से छोटे हैं, पर अपने घर में बच्चों की फौज खड़ी कर ली है।"

(क) उम्र में कौन, किससे छोटा है? दोनों के नाम बताएँ और आपस में दोनों का क्या संबंध है?

(ख) किसने घर में बच्चों की फौज खड़ी कर ली है? उसकी चरित्रगत विशेषताएँ लिखें।

(ग) बच्चों की फौज से क्या तात्पर्य है? उन्हें वह परिवार 'बच्चों की फौज' क्यों लगता है?

(घ) क्या उसका परिवार एक सुखी परिवार है? कैसे?

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]